यह कैसे फैलता है

बिल्लियों का फ्लू आम तौर पर बिल्लियों के बीच सीधे संपर्क से फैलता है, उनकी लार, आँसुओं और बहती नाक के स्राव द्वारा।

यह उनमें अप्रत्यक्ष रूप से भी फैल सकता है, खाने के कटोरे, बिस्तरे, कैट लिटर की ट्रे या मानवीय हाथों के द्वारा।

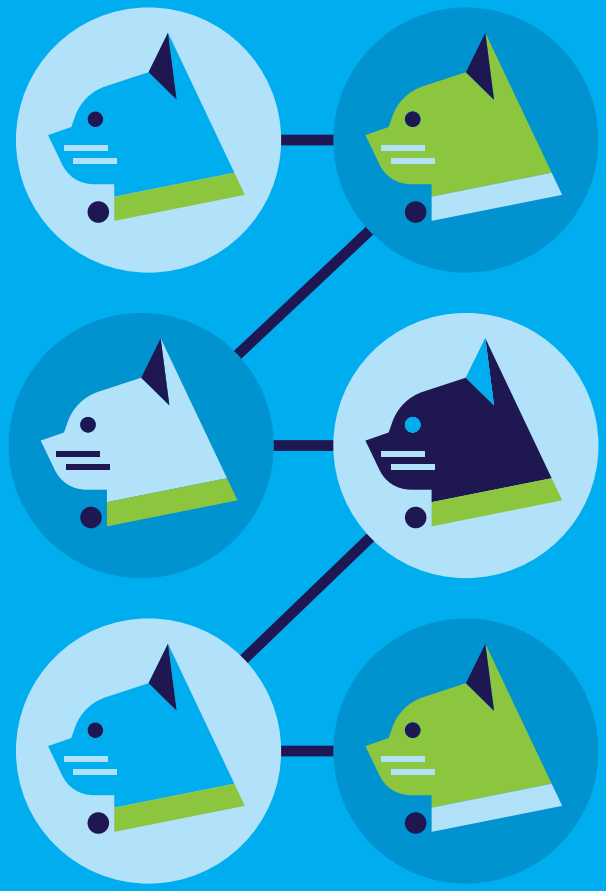

RSPCA Victoria

rspcavic.org

03 9224 2222

3 Burwood Highway
Burwood East VIC 3151

दि रॉयल सोसाइटी फॉर दि प्रिवेंशन ऑफ़ क्रूएल्टी टु एनीमल्स (विक्टोरिया) ए बी एन 56 749 449 191 | ए सी एन 131 965 761

RSPCA Victoria

बिल्लियों का फ्लू

बिल्लियों का फ्लू एक घातक बीमारी है जो किसी भी आयु की बिल्लियों में आसानी से फैल जाती है।

लक्षण

- छींकें आना
- आँखों या नाक से स्राव होना
- ज्वर
- साँस लेने संबंधी समस्याएँ
- खाँसी
- थकान
- भूख न लगना

बिल्लियों के मुँह या आँखों पर फ़ोड़े भी हो सकते हैं। यदि फ़ोड़े बिगड़ जाते हैं और इनका उपचार नहीं किया जाता, तो आँखों को स्थायी नुक़सान, निमोनिया या उनकी मृत्यु भी हो सकती है। बिलौटों और अधिक आयु की बिल्लियों की प्रतिरोधण क्षमता कम होने के कारण उनमें ये लक्षण अधिक गंभीर होते हैं।

यदि आपको यह अंदेशा है कि आपकी बिल्ली को फ्लू है तो:

1. अपने पशु-चिकित्सक को फ़ोन करें।
2. जिस बिल्ली को फ्लू है, जब तक वह पूरी तरह से स्वस्थ न हो जाए, उसे अन्य बिल्लियों से अलग रखें। उसके खाने के कटोरे, लिटर ट्रे और बिस्तरे को अलग से धोएँ।
3. जिस सतह पर बीमारी के कीटाणु हों, उसे वेटरनरी ग्रेड डिसइन्फेकटेंट (जैसे एफ़ 10) से, या घर में इस्तेमाल करने के ब्लीच को पानी में मिला कर (एक हिस्सा ब्लीच, 30 हिस्से पानी) साफ़ करें। सफ़ाई के लिए आप जो भी पदार्थ प्रयोग करें, उसे ठोस सतह पर 10-15 मिनट तक पड़ा रहने दें। उसके बाद सतह को पानी से धो दें या अच्छी तरह साफ़ कर दें ताकि सफ़ाई के पदार्थ से पालतू पशुओं को कोई हानि न हो। यदि नरम चीजों पर कीटाणुओं के होने का अंदेशा हो तो उन्हें फेंक दें।
4. यदि आपके घर में कई पालतू पशु हैं तो हम यह सलाह देंगे कि आप बीमार पशुओं को सबसे बाद में खाना खिलाएँ और पुचकारें, और ध्यान दें कि बीमारी अन्य पशुओं में न फैले।

रोक-थाम

यह अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है कि सभी बिलौटों को किसी पशु-चिकित्सक द्वारा बिल्लियों में फ्लू पैदा करने वाले विषाणुओं का टीका लगाया जाए। टीकों का कोर्स 8 सप्ताह की आयु में लगवाना आरंभ करें और चिकित्सक की सिफ़ारिश के अनुसार समय-समय पर बूस्टर टीके लगवाते रहें।

जब तक बिलौटों को पूरे टीके नहीं लग जाते, उन्हें अन्य बिल्लियों से अलग, घर के अंदर ही रखें। टीके लगवाने से बीमारी से बचाव हो सकता है या बिल्ली अगर बीमार हो जाती है तो ये लक्षण हलके हो सकते हैं।

इलाज़

बिल्लियों का फ्लू विषाणुओं से होता है और इसका कोई सीधा उपचार नहीं है।

बिल्लियों के फ्लू के उपचार का उद्देश्य बिल्ली को परेशानियों से तब तक राहत दिलाना होता है जब तक उसका परिरक्षण तंत्र उसे संक्रमण से मुक्त न कर दे। राहत देने वाले उपचार में दर्द निवारक दवाएँ, एंटी-वायरल दवाएँ, आँखों में डालने वाली दवाएँ और किसी जीवाणु के संक्रमण से बचाने के लिए एंटीबायोटिक देना शामिल हैं।

कुछ बिल्लियों को अस्पताल में भर्ती की आवश्यकता हो सकती है और यदि वे खाना-पीना बंद कर दें तो उन्हें इंटरावेनस ट्यूब से दवा या पौष्टिक तत्त्व देने की आवश्यकता हो सकती है। आम तौर पर उन्हें ठीक होने में लगभग दो सप्ताह लगते हैं।

यदि आपको यह आशंका है कि आपकी बिल्ली को फ्लू है तो पशु-चिकित्सक से परामर्श करें।

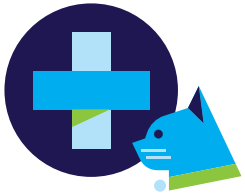

कदम 1

पशु-चिकित्सक से सहायता लें

कदम 2

संक्रमित बिल्ली को अन्य बिल्लियों से अलग रखें

कदम 3

सतहों को ब्लीच से रगड़ कर साफ़ करें